Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 29-08-2005

Participants : Modi Shri Sushil Kumar

>

Title : Need to provide urgent relief to flood affected areas in Bihar.

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, बिहार का एक हिस्सा बाढ और शेा हिस्सा सूखे से प्रभावित है। वहां की 70 परसैंट आबादी और किसान बाढ़ या सूखे से प्रभावित हैं। इससे हजारों एकड़ जमीन की फसल बरबाद हो गई है। दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर तटबंध टूट गए हैं। सात जिले बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में 36 लोगों की मौत हो गई है। केवल किशनगंज में टेलाघाट प्रखंड में भयंकर बाढ़ में 25 लोग डूब कर मर गए। वहां नाव पलट गई जिससे 25 लोग डूब कर मर MÉA[R18]।

इसी तरह 27 अगस्त को जमालपुर थाने के भलुआहा गांव में एक नाव के पलटने से सात लोग डूब गए और सीतामढ़ी में दो बच्चों की बाढ़ के पानी में डूबकर मौत हो गई। मोतिहारी शहर में बूढ़ी गंडक नदी का पानी शहर के अंदर प्रवेश कर गया। सीतामढ़ी शहर में भी लखनदेई का बायां तट बंध टूट गया और रविवार को ओराई में तटबंध सात जगह टूट गया जिससे सीतामढ़ी शहर में पानी प्रवेश कर गया। शिवहर में बाढ़ की स्थिति गंभीर है, लगभग दो दर्जन स्थानों पर तटबंध टूट गए हैं। मधुबनी के भुतहीबलान का तटबंध, फूलपराश में माधोपुर के निकट बह गया। कमलाबलान पश्चिमी तट बंध चार जगह से और पूर्वी तटबंध एक जगह पर टूट गया है यानि बिहार के सात जिले बाढ़ से प्रभावित हैं लेकिन अभी तक कोई केंद्र की टीम बिहार में नहीं गई है और न ही बिहार के महामहिम राज्यपाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है। मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगा कि तत्काल केंद्र सरकार द्वारा, वहां जो बाढ़ और सूखे से नुकसान हुआ है, उसका आकलन करने के लिए केंद्रीय टीम को भेजे। बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव की कोई व्यवस्था नहीं है। वहां तत्काल नावों की व्यवस्था की जाए और बड़े पैमाने पर राहत कार्य चलाए जाएं क्योंकि सरकार ने घोाणा की थी कि एक क्विंटल गेहूं और दो सौ रुपए नकद दिये जाएंगे। लेकिन कहीं पर कोई भी रिलीफ का कार्य नहीं चलाया जा रहा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगा कि केंद्र सरकार तुरंत केंद्र की टीम वहां पर भेजने की व्यवस्था करे और शेा बिहार को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोाित किया जाए। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में युद्धस्तर पर बाढ़ राहत का कार्य शुरू किया जाए।

MR. SPEAKER: Dr. Arun Kumar Sarma - not present.